जा रहा है, कवि गुरू रवीन्द्रनाथ टैगोर जिन्होंने -जन गण मन' अधिनायक जय हे' गाया है, के जन्मदिवस को अत्यधिक सम्मान और प्रतिष्ठा से मनाया जाना चाहिए।

हमें माननीय प्रधानमंत्री श्री प्रणव मुख्र्जी से कुछ आश्वासन चाहिए कि उनके 150वें जन्मदिवस को मनाने के लिए वे क्या कदम उठाने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री (डॉ. मनमोहन सिंह) : महोदया, रवीन्द्रनाथ टैगोर भारतीय सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत का भाग हैं। वे प्रत्येक भारतीय नागरिक के हृदय में बसे हुए हैं। सरकार ने उनके 150वें जन्मदिवस को उचित रीति से मनाने का पहले ही निर्णय ले लिया है। मेरी अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय समिति और मेरे प्रतिष्ठित साथी श्री प्रणब मुखर्जी की अध्यक्षता में एक कार्यान्वयन समिति की स्थापना की जा रही है। मैं सभा को आश्वस्त करता हूं कि इस अवसर को हमें सही ढंग से मनाया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हम भारत के इस महान कवि को उचित रीति से सम्मानित कर सकें।

श्री टी.आर. बालू (श्रीपेरूम्बुदूर) : महोदया, मैं अपनी पार्टी और मेरे नेता डॉ. कलाईनार एम. करूणानिधि, जो सामाजिक न्याय में पूर्ण विश्वास रखते हैं, की ओर से माननीय प्रधानमंत्री सहित मैडम सोनिया जी को धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने इस सम्मानित सभा को जाति-आधारित जनगणना के बारे में आश्वास्त किया है। हम सभा के नेता और सभा के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

[हिन्दी]

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री श्रीप्रकाश जायसवाल): अध्यक्ष महोदया, कल से आज तक जो थोड़ा बहुत सैंसज को लेकर इल्यूजन था, आज माननीय प्रधानमंत्री जी ने जिस तरह का बयान दिया है, मैं उनका स्वागत करता हूं और श्रीमती सोनिया गांधी जी का स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूं। निश्चित रूप से सारे देश में जो भ्रम उत्पन्न हो रहा था, वह इस बयान से दूर हो गया है।

[अनुवाद]

श्री गुरुदास दासगुप्त : महोदया, मैं माननीय प्रधानमंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं...*(व्यवधान)* यह इसलिए कि उन्होंने इतना शीघ्र निर्णय लिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार सभा के सदस्यों की मांगों और विचारों के प्रति सजग हो रही है। यह अच्छा संकेत है, परंतु इस उदाहरण का अनुसरण अन्य मामलों में भी किया जाना चाहिए।

डॉ. एम. तम्बिदुरई (करूर) : धन्यवाद अध्यक्ष महोदया। मैं अपने दल और अपने नेता की ओर से सभा की भावनाओं पर ध्यान देने के लिये प्रधानमंत्री द्वारा दर्शाए गये सौहार्द के लिये धन्यवाद देता हूं। यह इसलिए कि अधिकतर सदस्य इस पर जोर दे रहे हैं कि जनगणना जाति-आधार पर की जाए क्योंकि पिछड़े वर्गों को लाभ देने के लिए जाति बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए मैं माननीय प्रधानमंत्री को इसके लिए धन्यवाद देता हू।

[हिन्दी]

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्पाम) : धन्यवाद, अध्यक्ष महोदया। अध्यक्ष महोदया, जिस तरह से प्रधानमंत्री जी ने एग्री किया था, पिछले तीन-चार दिन से हम सब अपोजीशन लीडर्स और साथ ही हाऊस में जो डिबेट हुआ था, उससे एग्री किया है, मैं उसके लिए धन्यवाद करना चाहता हूं। इसके बारे में हमारे लीडर श्री चन्द्रबाबू नायडू ने प्रधानमंत्री जी को एक लैटर भी लिखा था। श्री एन.टी. रामाराव शुरू से तेलुगु देशम पार्टी के फाऊंडर रहे थे। उन्होंने पहली दफा बैकवर्ड क्लास के लिए रिजर्वेशन आंध्र प्रदेश में किया था और आज के दिन वही रिजर्वेशन चल रहा है। उसी तरह से सैंसेज में भी उन लोगों को काऊंट किया जा रहा है, इसलिए हमारी पार्टी की तरफ से हम प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहते हैं।

[अनुवाद]

श्री भर्तृहरि महताब (कटक) : यह कहा जाता है कि "अंत भला तो सब भला"। हम बजट सत्र की समाप्ति पर आ रहे हैं और अपने निर्वाचन क्षेत्रों और अपने संबंधित राज्यों में जाने से पूर्व आज यहां एक अच्छी खबर प्रधानमंत्री द्वारा दी गई कि इस पर मंत्रिमंडल सकारात्मक निर्णय लेने जा रहे है।

मैं इस निर्णय का स्वागत करता हूं। जो भ्रम पैदा किया गया था और जो हमें आशंका थी कि इसके कारण काफी तनाव होगा, प्रधानमंत्री के वक्तव्य के साथ इस पर विराम लग गया है; और सभा के नेता ने भी इन कथनों को संज्ञान में लिया है।

इसके साथ, मैं कविगुरू के 150वें जन्मदिवस के बारे में भी उल्लेख करना चाहूंगा जो इस वर्ष 9 मई, से प्रारंभ होने जा